दैनिक भास्कर 17/7/14

दैनिक भास्कर

टोंक भास्कर

अकाल से मुकाबले की तैयारियों पर चर्चा

आईसीएआर का स्थापना दिवस समारोह : आजीविका के लिए किसानों को अनुसंधानित तकनीक का उपयोग खेत व भेड़-बकरी पालन में करने की सलाह

भास्कर न्यूज | मालपुरा

मालपुरा. केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि संस्थान निदेशक व अन्य वैज्ञानिक तथा उपस्थित भेड़ पालक किसान व महिलाएं।

केंद्रीय भेड एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर के निदेशक डॉ. एस.एम.के. नकवी ने कहा है कि किसानों को अकाल के दौरान बडे जानवर पालने की जगह छोटे जानवर भेड़-बकरी पालने चाहिए, जिससे कम चारे में पशुपालन हो सके तथा आजीविका भी आसानी से चलाई जा सके। संस्थान निदेशक बुधवार को अविकानगर में आयोजित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के 86वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

उन्होंने इस अवसर पर एकत्र किसानों से कहा कि यह साल अकाल ग्रस्त होने के कारण कृषि मंत्रालय दिल्ली ने आदेश जारी कर वैज्ञानिकों व किसानों के बीच अकाल से मुकाबले की तैयारी पर चर्चा के लिए कार्यक्रम आयोजित किया है। अकाल में वैज्ञानिकों द्वारा अनुसंधानिक तकनीक का उपयोग किसान के खेत व भेड़ पालन के क्षेत्र में हो, इसके लिए नई तकनीक के आधार पर खेती व पशुपालन करने की आवश्यकता है।

निदेशक ने बताया कि अकेले खेती के भरोसे किसान के परिवार का पालन पोषण नहीं हो सकता, इसके लिए पशुपालन जरूरी है। उन्होंने बताया कि 131 करोड़ की जनसंख्या वाले हमारे देश में 530 मिलियन से ज्यादा पशु हैं जबकि 3.2 प्रतिशत जमीन है तथा विश्व का चार प्रतिशत पानी है। संसाधनों की कमी है। संस्थान निदेशक ने बताया कि वर्तमान में देश में पशुपालन के क्षेत्र में एक नंबर पर भेड़ व दूसरे नंबर पर बकरी पालन किया जा रहा है। यह अकाल में मामूली चारे से जीवित रहती है। पशुधन में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। देश में 56 प्रतिशत लोग कृषि पर आधारित हैं तथा सरकार को कृषि से 14 प्रतिशत आमदनी हो रही है। चरागाह समाप्त होने से पशुपालन संकट में है। फिर भी भेड़-बकरी लाभदायी साबित हुए हैं। उन्होंने भेड़-बकरी को अकाल में नागफनी व ऊंट कंटेला का मिक्स चारा खिलाने की सलाह दी। संस्थान में महिलाओं को प्रशिक्षित करने व संस्थान परिसर में हजारों बीघा जमीन पर फसल बोआई के लिए किसानों को न्योता दिया। इस अवसर पर पशु अनुवांशिकी एवं प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अरुण तोमर ने रेवड़ में सुधार के उपाय बताए। पशु स्वास्थ्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. धीरेंद्र सिंह ने सूखे अकाल के दौरान पशुओं में होने वाले रोगों से सचेत रहने को कहा। पशु पोषण विभाग अध्यक्ष डॉ. ए. साहू ने अकाल में कम पानी में पैदा होने वाले चारे की फसलें उगाने की सलाह दी। पशु शरीर क्रिया एवं जीव रसायन विभाग के डॉ. देवेंद्र कुमार व चारा व चरागाह विकास प्रभारी डॉ. एस.सी. शर्मा ने भी किसानों को संबोधित किया। राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त करने वाले भेड़ पालक रामअवतार व सत्यनारायण का संस्थान की ओर से सम्मान किया गया। डॉ. राजीव गुलयानी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

राजस्थान पत्रिका

17/7/14

स्थापना दिवस मनाया

मालपुरा

jaipur@patrika.com

केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में बुधवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का 86वां स्थापना दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान निदेशक डॉ. एस. एम. के. नकवी ने द्वीप प्रज्वलित कर की। इस अवसर निदेशक नकवी ने कहा कि राजस्थान में खेती मानसून पर निर्भर है। ऐसी स्थिति में किसानों के लिए पशुपालन बहुत उपयोगी है। इस मौके पर डॉ. ए. साहू, डॉ. अरुण कुमार तोमर, डॉ. धीरेन्द्रसिंह, डॉ. देवेन्द्र कुमार, डॉ. राजीव गुलयानी ने भी समारोह को संबोधित किया। कार्यक्रम में भेड़ पालक सत्यनारायण, रामअवतार को करनाल में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त करने पर संस्थान की ओर से सम्मानित किया।

17/7/2014